आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 211 | उज्जैन, शनिवार 21 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में निवेश, उद्यमिता और कौशल विकास का नया अध्याय होगा प्रारंभ

कॉन्क्लेव से रोजगार युक्त-निवेश युक्त राज्य बनाने में मदद मिलेगी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में निवेश, उद्योग और युवा कौशल विकास को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में एक अभिनव पहल की जा रही है। रतलाम में 27 जून को रीज़नल इंडस्ट्री, स्किल एंड इम्प्लॉइमेंट श्समि राईज कॉन्क्लेव-2025 का आयोजन होगा। कॉन्क्लेव में औद्योगिक विकास, एमएसएमई के लिए नीति संवाद, प्रमुख निवेशकों से चर्चा और रोजगार सृजन की रणनीतियों पर गहन विमर्श होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में राइज कॉन्क्लेव मध्यप्रदेश को ÷रोजगार युक्त, निवेश युक्त÷ राज्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर सबित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के विजन के अनुरूप यह कॉन्क्लेव युवाओं को स्वरोजगार एवं कौशल विकास के जरिए आत्मनिर्भर बनाने, क्षेत्रीय निवेश आकर्षित करने और स्थानीय उत्पादों को वैश्विक मंच पर स्थापित करने की दिशा में प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को साकार करेगा। कॉन्क्लेव में निवेश से जुड़े अहम एमओयू होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चयनित लाभार्थियों से सीधा संवाद भी करेंगे।

औद्योगिक नीति कौशल विकास विषय पर कई सत्र आयोजित होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन मीटिंग में एमएसएमई प्रदर्शन में तेजी, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और 'थीमैटिक इनवेस्टमेंट पर चर्चा करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदर्शनी का अवलोकन करेंगे। प्रदर्शनी में राज्य की रोजगार योजनाओं में लाभान्वित हुए हितग्राहियों की प्रेरणादायक कहानियों को प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विभिन्न योजनाओं से जुड़े लाभार्थियों को ऋण सहायता, ऑफर लेटर वितरण करेंगे। कान्क्लेव में ओएनडीसी और एनपीसीआई के साथ एमओयू एक्सचेंज और स्वरोजगार की सफलताओं पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी किया जायेगा।

11 वर्षों में रक्षा निर्यात में भारत का बढ़ा दबदबा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विगत 11 वर्षों में भारत रक्षा निर्यात के क्षेत्र में एक मजबूत ग्लोबल लीडर के रूप में उभरा है क्योंकि इसमें कई गुना वृद्धि देखी गई है। वित्त वर्ष 2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात दर्ज किया गया, जबकि 2013-14 में यह सिर्फ 686 करोड़ रुपये था।

साथ ही, देश ने अपने रक्षा क्षेत्र को स्वदेशी बनाने में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है। इसने वित्त वर्ष 2023-24 में अपना अब तक का सबसे अधिक रक्षा उत्पादन हासिल किया, जिसका कुल मूल्य 1,27,434 करोड़ रुपये है। यह 2014-15 के 46,429 करोड़ रुपये की तुलना में 174 प्रतिशत अधिक है।

2024-25 में 23,622 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात- सरकार के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, लाइट काम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस, अर्जुन टैंक, आकाश मिसाइल सिस्टम, एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टर और कई नौसैनिक जहाजों जैसे स्वदेशी उत्पादों ने इस सफलता में योगदान दिया है। यह वृद्धि केंद्रित नीतियों और आत्मनिर्भरता के लिए मजबूत प्रयास से प्रेरित है। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने 23,622 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात दर्ज किया, जो वित्त वर्ष 2013-14 में 686 करोड़ रुपये था। निजी क्षेत्र ने 15,233 करोड़ रुपये का योगदान दिया, जबकि रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम ने 8,389 करोड़ रुपये का योगदान दिया।

डीआरडीओ प्रमुख बोले भारत के पास भी जल्द हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल होंगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों ईरान और इजरायल के बीच युद्ध जारी है जिसमें खास तौर पर हाइपरसोनिक मिसाइलों का उपयोग हो रहा है। वहीं, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय हथियार प्रणाली सफल रही, अब भारत भी चाहता है कि उसके पास हाइपरसोनिक मिसाइलों का जखीरा हो ताकि दुश्मन भारत की ओर देखने से पहले सौ बार सोचे।

हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल का काम परीक्षण चरण में है- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को धूल चटाई और दुश्मन के हवाई क्षेत्र, ड्रोन और वायु रक्षा प्रणाली को नुकसान पहुंचाया। डीआरडीओ के प्रमुख ने बताया कि भारत के पास भी जल्द हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल होंगी। अभी काम परीक्षण चरण में है।

भारत हाइपरसोनिक मिसाइल के विकास में पीछे नहीं है- एनडीटीवी के मुताबिक, डीआरडीओ प्रमुख कामत ने बताया कि भारत हाइपरसोनिक मिसाइल के विकास में पीछे नहीं है।

दो से तीन दिनों में दिल्ली पहुंच जाएगा मानसून

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दो दिनों में मध्य, पश्चिमी और पूर्वी भारत के बड़े हिस्से को तेजी से कवर करने वाले दक्षिण-पश्चिमी मानसून के अगले दो से तीन दिनों में दिल्ली, हरियाणा और पंजाब के कुछ हिस्सों तक पहुंचने की उम्मीद है। मानसूनी वर्षा से बिहार के अधिकांश हिस्सों और पूर्वी उत्तर प्रदेश में जनजीवन बुरी प्रभावित हुआ। बिजली गिरने से उप्र में 12 लोगों की मौत हो गई। मौसम बिगड़ने के कारण चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, लखनऊ की आठ उड़ानें लेटलतीफी का शिकार हुईं।

मानसून के 22 जून तक दिल्ली पहुंचने की संभावना - आइएमडी के अनुसार, आगामी 20 से 25 जून के बीच हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, जम्मू व कश्मीर और लद्दाख सहित उत्तर-पश्चिम भारत के बड़े हिस्से में वर्षा होने का अनुमान है। मानसून के 22 जून तक दिल्ली पहुंचने की संभावना है।

गुरुवार को पूर्वी उप्र के साथ ही मध्य क्षेत्र में भी कई जिलों में बारिश का दौर जारी रहा। तेज बारिश के चलते उन्नाव-बालामऊ रूट पर ऊगू हाल्ट के पास ट्रैक के नीचे की मिट्टी धंस गई। दूर से आती पैसेंजर ट्रेन (54336) आती देख ग्रामीणों ने इशारा किया तो लोको पायलट ने ब्रेक लगा दी। हादसे से बची यह ट्रेन अपराह्न करीब साढ़े तीन बजे उन्नाव स्टेशन से बालामऊ के लिए निकली थी। इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारी 42 मिनट तक लगे रहे और ट्रैक की मरम्मत की। इसके बाद ट्रेन रवाना हुई।

पूर्वांचल के सोनभद्र, चंदौली, मीरजापुर, प्रयागराज, देवरिया, गोरखपुर और आसपास के जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान 40-50 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा भी चलेगी।

देश भर के संस्कृत विश्वविद्यालयों में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को मिला पहला स्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआईआरएफ (इंडियन इंस्ट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क) की ओर से जारी रैंकिंग में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू) दिल्ली देश भर के संस्कृत विश्वविद्यालयों में प्रथम आया है।

आईआईआरएफ रैंकिंग समूचे भारत के न मात्र उच्च शिक्षण संस्थानों के अकादमिक और प्रशासनिक मापदंडों का मूल्यांकन कर उसकी गुणवत्ता को सुनिश्चित करती है, बल्कि उनके सामाजिक, सांस्कृतिक और शोध प्रभाव को भी रेखांकित कर रैंकिंग को निर्धारित करती है।

भारत के सभी संस्कृत विश्वविद्यालयों में सर्वोच्च स्थान आने पर केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दिल्ली के कुलपति प्रो श्रीनिवास वरखेडी ने कहा कि यह उत्कृष्ट रैंकिंग अपने सीएसयू की समर्पित शैक्षणिक उपलब्धियां, नवोन्मेषी अनुसंधान तथा भारतीय शास्त्रीय परंपरा के वर्तमान संदर्भों में पाठ की सोच का फल है।

संस्कृत को लोगों को पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा- कुलपति प्रो वरखेड़ी ने कहा कि संस्कृत पढ़ने और पढ़ाने के क्षेत्र में सीएसयू भारत सरकार की नोडल निकाय रूप में बेहतर कार्य करते हुए संस्कृत को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहा है।

शैक्षणिक विभाग के अतिरिक्त सीएसयू का प्रकाशन विभाग और इसके निदेशक प्रो काशीनाथ न्यौपाने के साथ संस्कृत भाषा की कई महत्त्वपूर्ण पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है।

बरौनी-कटिहार रेलखंड पर अवध असम एक्सप्रेस ने एक रेलवे ट्रॉली को मारी टक्कर

कटिहार। सोनपुर रेल मंडल के बरौनी-कटिहार रेलखंड पर सेमापुर और काढ़ागोला रोड के बीच महरानी कुड़िया के समीप अवध असम एक्सप्रेस ट्रेन ने रेलवे ट्रॉली में सामने से टक्कर मार दी। अवध असम ट्रेन बरौनी से डाउन लाइन पर कटिहार आ रही थी। इस घटना में ट्रॉली मैन प्रमोद कुमार यादव की मौत हो गई, जबकि पीडब्लूएवाई धनंजय कुमार समेत ट्रॉली मैन सूरज कुमार, आदित्य कुमार और मनोज कुमार घायल हो गए। इन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरारी से मेडिकल कॉलेज कटिहार रेफर कर दिया गया है।

मोदी ने आंबेडकर के अपमान पर लालू को घेरा, कहा- खुद को बाबा साहेब से भी बड़ा दिखाना चाहते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के फोटो फ्रेम का अपने जन्मदिन के दिन अपमान करने के लिए राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव को घेर लिया है। गले में नीले रंग का गमछा डाले पीएम मोदी ने सीवान में एक सभा में कहा कि ये लोग कदम-कदम पर बाबा साहेब का अपमान करते हैं।

इस मसले पर लालू से माफी मांगने की बढ़ती मांग की चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये लोग कभी माफी नहीं मांगेंगे। इनके मन में दलित, महादलित, पिछड़े और अति पिछड़े के लिए कोई सम्मान नहीं है।मोदी ने कहा- हम कहते हैं सबका साथ, सबका विकास। लेकिन लालटेन और पंजे वाले कहते हैं, परिवार का साथ, परिवार का विकास। इनकी राजनीति का कुल जमा निचोड़ यही है, अपने-अपने परिवारों के हित के लिए ये देश के, बिहार के करोड़ों परिवारों का अहित करने से भी नहीं चूकते हैं। बाबा साहेब आंबेडकर भी इस तरह की राजनीति के बिल्कुल खिलाफ थे। इसलिए ये लोग कदम-कदम पर बाबा साहेब का अपमान करते

प्रधानमंत्री ने आगे कहा- अभी पूरे देश ने देखा है कि आरजेडी वालों ने बाबा साहेब की तस्वीर के साथ क्या व्यवहार किया है। बिहार में पोस्टर लगे हैं कि बाबा साहेब के अपमान पर माफी मांगो। लेकिन मैं जानता हूं, ये लोग कभी माफी नहीं मांगेंगे। इनके मन में दलित, महादलित, पिछड़े, अति पिछड़े के प्रति कोई सम्मान नहीं है। आरजेडी और कांग्रेस बाबा साहेब आंबेडकर की तस्वीर को पैरों में रखती है, जबकि मोदी बाबा साहेब आंबेडकर को अपने दिल में रखता है। बाबा साहेब का अपमान करके ये लोग खुद को बाबा साहेब से भी बड़ा दिखाना चाहते हैं। बिहार के लोग बाबा साहेब का ये अपमान कभी नहीं भूलेंगे। बता दें कि 11 जून को लालू यादव के जन्मदिन के मौके पर राबड़ी देवी के आवास में लालू ने कुछ समय कार्यकर्ताओं से मुलाकात की थी। किडनी ट्रांसप्लांट के बाद हिदायत से रहने वाले लालू इस तरह बैठे थे कि कोई उनके पास तक ना आ पाए क्योंकि डॉक्टरों के मुताबिक संक्रमण का खतरा हो सकता है। लालू एक कुर्सी पर खुद बैठे और सामने दूसरी कुर्सी पर पांव चढ़ा लिए। जो लोग भी आ रहे थे, उनके पांव को छूकर साथ लाया बुके या कोई दूसरा तोहफा स्टाफ को देकर लौटाए जा रहे थे। इसी दौरान एक वर्कर आंबेडकर की फोटो के साथ पहुंचा और लालू के पांव छूकर बाकी लोगों की तरह स्टाफ को फोटो देकर लौट गया।

ट्रंप को मिला नेशनल गार्ड सैनिकों पर कंट्रोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अपील अदालत ने गुरुवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लॉस एंजिलिस में तैनात नेशनल गार्ड सैनिकों पर नियंत्रण की अनुमति दे दी है। इमिग्रेशन अधिकारियों की ओर से की जा रही कार्रवाई के बाद किए जा रहे प्रदर्शन को नियंत्रित करने के लिए यह तैनाती की गई है। अदालत का यह निर्णय निचली अदालत के उस आदेश पर रोक लगाता है, जिसने पाया था कि ट्रंप ने गवर्नर गेविन न्यूसम के विरोध के बावजूद सैनिकों को तैनात कर अवैध रूप से काम किया था। 1965 के बाद से गवर्नर की अनुमति के बिना किसी राज्य के नेशनल गार्ड की यह पहली तैनाती थी।

कोर्ट ने दिया आदेश- 9वें यूएस सर्किट कोर्ट आफ अपील्स के तीन न्यायाधीशों के पैनल ने कहा कि यह संभव है कि ट्रंप ने गार्ड के नियंत्रण को संघीय बनाने में अपने अधिकार का कानूनी रूप से प्रयोग किया हो। हालांकि, राष्ट्रपति के पास किसी राज्य के गार्ड का नियंत्रण जब्त करने की अप्रतिबंधित शक्ति नहीं है, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों द्वारा हिंसक कृत्यों का हवाला देते हुए यह दिखाने के लिए पर्याप्त सुबूत पेश किए कि ऐसा करने के लिए उसके पास एक बचाव योग्य तर्क था।

देशभर में हुआ था विरोध प्रदर्शन- तथ्य दर्शाते हैं कि नेशनल गार्ड की तैनाती से पहले प्रदर्शनकारियों ने कई संघीय अधिकारियों को घेर लिया और पत्थर, बोतलें और अन्य वस्तुएं उनपर फेंकी। प्रदर्शनकारियों ने संघीय इमारतों को भी नुकसान पहुंचाया। अगर संघीय सरकार नेशनल गार्ड की तैनाती से पहले कैलिफोर्निया के गवर्नर को सूचित करने में विफल रही, तो भी न्यूसम के पास राष्ट्रपति के आदेश को वीटो करने का कोई अधिकार नहीं था।

हालांकि, राष्ट्रपति के पास किसी राज्य के गार्ड का नियंत्रण जब्त करने की अप्रतिबंधित शक्ति नहीं है, लेकिन ट्रंप प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों द्वारा हिंसक कृत्यों का हवाला देते हुए यह दिखाने के लिए पर्याप्त सुबूत पेश किए कि ऐसा करने के लिए उसके पास एक बचाव योग्य तर्क था।

देशभर में हुआ था विरोध प्रदर्शन- तथ्य दर्शाते हैं कि नेशनल गार्ड की तैनाती से पहले प्रदर्शनकारियों ने कई संघीय अधिकारियों को घेर लिया और पत्थर, बोतलें और अन्य वस्तुएं उनपर फेंकी। प्रदर्शनकारियों ने संघीय इमारतों को भी नुकसान पहुंचाया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड अक्सर दो सप्ताह जैसे शब्द का करते हैं उपयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति इन दिनों काफी सुर्खियों में बने हुए हैं। जी- 7 शिखर सम्मेलन से वापसी, ईरान इजरायल युद्ध के बीच मध्यस्थता समेत कई मामलों को लेकर वह चर्चा का केंद्र रहे हैं। इस बीच एक उनका दो सप्ताह वाक्यांश लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है।

दरअसल, किसी भी बड़े फैसले या किसी महत्वपूर्ण मामले पर जब उनसे सवाल किया जाता है तो वह अक्सर दो हफ्ते शब्द का उपयोग करते हैं। पहले भी कई मामलों में उनकी ओर से इस शब्द को सुना जा चुका है।

ईरान को लेकर दो सप्ताह में होगा फैसला- बता दें कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का ये वाक्यांश फिर एक बार सामने आया है।

गुरुवार को व्हाइट हाउस की एक नियमित ब्रीफिंग के दौरान प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने घोषणा करते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप अगले दो हफ्ते के अंदर यह तय करेंगे कि ईरान पर सैन्य हमला करना है या नहीं।

प्रेस सचिव लेविट ने कहा कि मेरे पास राष्ट्रपति की ओर से सीधे संदेश है जिसके बारे में जानकारी देने जा रही हूं। उन्होंने ट्रंप के बयान के हवाले से बताया कि इस तथ्य के आधार पर कि निकट भविष्य में ईरान के साथ वार्ता होने या न होने की पर्याप्त संभावना है। राष्ट्रपति ट्रंप के बयान के अनुसार, वह अगले दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर निर्णय लेंगे की आगे क्या करना है।

पहले भी दो सप्ताह का समय ले चुके हैं ट्रंप- ध्यान देने वाली बात है कि ये कोई पहला मौका नहीं है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने दो सप्ताह वाक्यांश का उपयोग किया है। इससे पहले भी कई मौकों पर उन्होंने इसका उपयोग किया है।

इससे पहले कब किया दो सप्ताह का उपयोग - रिपोर्ट्स के मुताबिक, ठीक आठ हफ्ते पहले जब डोनाल्ड ट्रंप से रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर उनके विश्वास के बारे में पूछा गया था, तो अमेरिकी राष्ट्रपति ने जवाब देते हुए कहा था कि वह अगले दो सप्ताह में इस मामले पर जवाब देंगे।

वहीं, जब उनसे अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान उनसे नई टैक्स योजना से जुड़े सवाल किए तो भी उन्होंने दो सप्ताह का वक्त लेने की बात कही थी। इस तरीके से कई ऐसे मौके आए हैं, जब डोनाल्ड ट्रंप ने दो सप्ताह जैसे शब्द का उपयोग किया है।

पाकिस्तान में कांगो वायरस से तीन की मौत

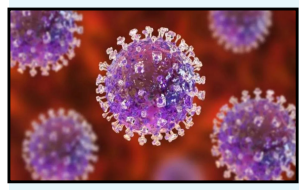

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में एक खतरनाक वायरस की एंट्री हुई है और इस वायरस की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में दो लोग खैबर पख्तूनख्वा से हैं और एक कराची से है।

एक्सप्रेस ट्रिब्यू की रिपोर्ट के अनुसार, सिंध के इब्राहिम हैदरी के रहने वाले 25 वर्षीय मछुआरे की कांगो वायरस की वजह से मौत हुई है और खैबर पख्तूनख्वा में करक और उत्तरी वजीरिस्तान में कांगो से मौत होने की जानकारी सामने आई है।

मरीज में क्या-क्या है लक्षण- स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि मालिर जिले के निवासी मुहम्मद जुबैर क सबसे पहले 16 जून को तेज बुखार, मांसपेशियों में दर्द, पेट में तकलीफ, खांसी, दस्त, रक्तस्राव और बेहोशी जैसी लक्षण महसूस हुए। जब मरीज को जिन्ना अस्पताल में भर्ती कराया गया तो डॉक्टरों को संदेह हुआ कि उसे कांगो वायरस का संक्रमण है। हालांकि, मरीज को जिन्ना अस्पताल से फिर सिंध संक्रामक रोग अस्पताल में भेजा गया और 19 जून को उसकी मौत हो गई।

सिंध स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित क्षेत्र में मृतक के संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा रही है और उन पर नजर रखी जा रही है।

इजरायली रक्षा मंत्री ने ईरान सरकार के ठिकानों पर हमले तेज करने के आदेश दिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच जंग भीषण होती जा रही है। ईरान ने हाल में ही इजरायल पर बैलिस्टिक मिलाइल से हमला किया है। अब इजरायल भी ईरान पर पलटवार कर रहा है। इस बीच इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने सेना को ईरानी राजधानी तेहरान में शासन के प्रतीकों पर हमले तेज करने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने सेना को ईरानी राजधानी तेहरान में शासन के प्रतीकों पर हमले तेज करने के निर्देश दिए हैं, जिसका उद्देश्य इसे अस्थिर करना है।

ईरान के इन सरकारी ठिकानों पर हमला करने के निर्देश

इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने एक बयान में कहा कि हमें शासन के सभी प्रतीकों और जनता के उत्पीड़न के तंत्रों, जैसे कि बासिज (मिलिशिया) और शासन के शक्ति आधार, जैसे कि रिवोल्यूशनरी गार्ड, पर प्रहार करना होगा।

भाईजान, मैं जयशंकर से बात करूं क्या, पाक के डिप्टी पीएम ने किया बड़ा खुलासा; बोले- भारत ने हमें हक्का-बक्का कर दिया था

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव की एक नई कहानी तब सामने आई, जब पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार ने खुलासा किया कि भारत के ऑपरेशन सिंदूर के जवाबी हमलों ने पाकिस्तान को हक्का-बक्का कर दिया था।

भारत ने पिछले महीने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान की दो अहम हवाई ठिकानों पर हमला बोला, जिसके बाद पाकिस्तान को सीजफायर के लिए भारत से गुहार लगानी पड़ी। इस हमले ने न सिर्फ पाकिस्तान को चौंकाया, बल्कि उसे सऊदी अरब को कहना पड़ा कि वो भारतीय विदेश मंत्री से हमले रोकने की गुजारिश करे।पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार ने पाकिस्तान जियो टीवी न्यूज में बताया कि भारत ने पिछले महीने रावलपिंडी और पंजाब प्रांत में स्थित पाकिस्तान की दो अहम हवाई ठिकानों (रावलपिंडी का नूर खान एयर बेस और रफीकी एयरबेस भी कहते हैं) पर हमला किया।

डार ने कहा, बदकिस्मती से भारत ने एक बार फिर रात 2-30 बजे मिसाइल हमले किए। उन्होंने नूर खान एयर बेस और रफीकी एयर बेस पर निशाना साधा। 45 मिनट के अंदर ही सऊदी प्रिंस फैसल ने मुझे फोन किया।

उन्होंने बताया कि उन्हें मेरी और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बातचीत की खबर मिली है। उन्होंने पूछा कि क्या वह (सऊदी प्रिंस) भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात करने सकते हैं और यह मैसेज दे सकते हैं कि पाकिस्तान सीजफायर के लिए तैयार हैं, अगर भारत हमले रोक दे। मैंने कहा, हां भाईजान, आप ऐसा कर सकते हैं। इसके बाद उन्होंने मुझे दोबारा फोन किया और बताया कि उन्होंने जयशंकर

इजरायल-ईरान जंग से भारतीय बासमती चावल को कैसे पहुंच सकता है नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मिडिल-ईस्ट में इजरायल और ईरान के बीच का तनाव अपने चरम पर है और इन दोनों देशों के टकराव की वजह से भारत में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। दरअसल, मिडिल-ईस्ट में चल रही अनिश्चितताओं के कारण भारतीय बासमती चावल क्षेत्र पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना है।

क्या पड़ सकता है प्रभाव- Crisil की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में भारतीय बासमती चावल के निर्यात में ईरान और इजरायल की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत है और मौजूदा तनाव के कारण इस पर सीमित प्रभाव पड़ने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मिडिल-ईस्ट, अमेरिका और यूरोप के अन्य देशों को निर्यात करने की भारत की क्षमता मांग जोखिम को कम करती है। लेकिन लंबे समय तक संकट रहने से इन क्षेत्रों में भुगतान में संभावित देरी हो सकती है।

और किन क्षेत्रों पर पड़ सकता है असर - हालांकि, भारतीय बासमती चावल के अलावा फर्टिलाइजर्स और पॉलिश किए गए हीरे जैसे अन्य क्षेत्रों पर भी कुछ प्रभाव देखने को मिल सकत है, लेकिन बासमती चावल क्षेत्र की तुलना में यह कम होने की उम्मीद है।

ईरान-इजरायल जंग पर रूस का आया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल की जंग अब भीषण होती जा रही है। इजरायली हमले के बाद अब ईरान ने अपना पलटवार तेज कर दिया है। यहां तक की ईरान ने इजरायल पर आज क्लस्टर बम से कई इलाकों को निशाना बनाया।

बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र में स्थिति सामान्य- इस बीच रूसी परमाणु ऊर्जा प्रमुख एलेक्सी लिखाचेव ने आज कहा कि ईरान के बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र में स्थिति सामान्य है और नियंत्रण में है। उन्होंने ये भी बताया कि यहां सैकड़ों रूसी विशेषज्ञ काम करते हैं।

बीते दिन इजरायली सेना ने बयान जारी किया था कि उसने बुशहर प्लांट पर बड़ा हमला किया है, लेकिन बाद में कहा गया कि यह टिप्पणी गलती से की गई थी।

संयंत्र पर हमला चेरनोबिल जैसे हालात पैदा करेगा- राज्य परमाणु ऊर्जा निगम रोसाटॉम के प्रमुख लिखाचेव ने कहा कि अगर इजरायल संयंत्र पर कोई भी हमला करता है तो ये चेरनोबिल जैसी परमाणु आपदा का कारण बन सकता है।

बुशहर ईरान का एकमात्र चालू परमाणु ऊर्जा संयंत्र है और रूसी ईंधन का उपयोग करता है जिसे रूस तब वापस ले लेता है जब इसका उपयोग प्रसार जोखिम को कम करने के लिए किया जाता है।

बुशहर की स्थिति के बारे में शुक्रवार को पूछे जाने पर लिखाचेव ने कहा कि अब तक स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश में ब्लैक बॉक्स को कैसे पहुंचा नुकसान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। 12 जून को अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश में 250 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। फ्लाइट क्रैश होने के करीब 28 घंटे बाद ब्लैक बॉक्स को बरामद किया गया था। लेकिन दुर्घटना में भी ब्लैक बॉक्स को काफी नुकसान पहुंचा है। संभावना जताई जा रही है कि क्रैश के दौरान या गिरने के बाद ब्लैक बॉक्स क्षतिग्रस्त हुआ हो।

एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, ब्लैक बॉक्स इस वक्त एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इंवेस्टिगेशन ब्यूरो की निगरानी में है और शुरुआती जांच में सामने आया है कि ब्लैक बॉक्स का बाहरी स्ट्रक्चर काफी कॉम्प्रमाइज हो चुका है और अगर इसे सावधानी से हैंडल नहीं किया गया, तो इसमें मौजूद इंटरनल डेटा को नुकसान हो सकता है।

अमेरिका भेजा जाएगा ब्लैक बॉक्स- पहले ये जानकारी सामने आई थी कि ब्लैक बॉक्स के डेटा को रिकवर करने के लिए अमेरिका भेजा जा सकता है। इसके बाद सवाल उठने लगे थे कि क्या भारत में डेटा रिकवर नहीं किया जा सकता। बता दें कि ब्लैक बॉक्स में दो यूनिट होती है। एक कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर और दूसरा फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश में दोनों ही यूनिट क्षतिग्रस्त हुई है, लेकिन इनमें से एक को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचा है। ब्लैक बॉक्स के साथ क्या प्रक्रिया अपनाई जाएगी, ये जल्द ही साफ हो जाएगा। अगर भारत में इससे डेटा को रिकवर नहीं किया जा सका, तो इसे अमेरिका के एनटीएसबी, यूनाइटेड किंगडम के सिविल एविएशन अथॉरिटी या सिंगापुर भेजा जा सकता है।

एअर इंडिया की फ्लाइट से टकराया पक्षी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से पुणे जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट से शुक्रवार (20 जून, 2025) को एक पक्षी टकरा गया, जिसके बाद फ्लाइट की रिटर्न जर्नी कैंसिल करनी पड़ी। एअरलाइन की ओर से जारी बयान में कहा गया कि विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और पक्षी के टकराने का पता पुणे में उतरने के बाद चला।

एअर इंडिया का कहना है कि फिलहाल विमान को रोक दिया गया है और इंजीनियरिंग की टीम इसकी गहन जांच कर रही है। बयान में कहा गया, पुणे से दिल्ली के लिए 20 जून को निर्धारित उड़ान संख्या AI2470 को पक्षी टकराने की वजह से रद्द कर दिया गया है। इसका पता विमान के पुणे में सुरक्षित लैंडिंग के बाद चला।

यात्रियों के रुकने की व्यवस्था कर रही एअर इंडिया- एअरलाइन ने यह भी कहा कि वह फंसे हुए यात्रियों के लिए रहने की व्यवस्था के साथ-साथ अन्य व्यवस्थाएं कर रही है। एयरलाइन ने कहा कि कैंसिलेशन या कॉम्प्लीमेंट्री रिशेड्यूलिंग पर यात्रियों को रिफंड की पेशकश भी की जा रही है, अगर वो इसका विकल्प चुनते हैं। साथ ही, यात्रियों को दिल्ली ले जाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

यूएई से भारत लाया गया शातिर मोइदीनब्बा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नकली नोट मामले में वांछित मोईदेनब्बा उमर बेरी को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत लाने में सीबीआई को बड़ी सफलता मिली है। मामले के मुख्य आरोपित को भारत लाने में इंटरपोल ने भी मदद की। वह एनआइए के मामले में वांछित है।

सीबीआई की अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई (आईपीसीयू) ने यूएई के नेशनल सेंट्रल ब्यूरो (एनसीबी) के साथ समन्वय करके शुक्रवार को बेरी का भारत में प्रत्यर्पण सुनिश्चित किया। उसे दुबई से फ्लाइट एआई-920 के माध्यम से मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट लाया गया।

इससे पहले आईपीसीयू ने इंटरपोल के माध्यम से अबू धाबी में एनसीबी के साथ मिलकर बेरी का यूएई में पता लगाया और फिर उसे पकड़ा गया। इसके बाद उसे भारत प्रत्यर्पित किया गया।

जारी हुआ था रेड कॉर्नर नोटिस

सीबीआई के अनुसार, एनआईए की कोच्चि शाखा की तरफ से बेरी के खिलाफ दर्ज मालमे के आधार पर इंटरपोल ने 30 दिसंबर, 2013 को उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी था। उस पर दुबई में नकली भारतीय नोट खरीदने और शारजाह के रास्ते भारत में तस्करी करने का आरोप है। नकली नोटों की खेप बेंगलुरु भेजी जाती थी। बता दें कि पिछले कुछ वर्षों में इंटरपोल के साथ समन्वय करके 100 से ज्यादा वांछित अपराधी भारत लाए गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले पतंजलि ने शुरू किया जागरुकता अभियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। 21 जून 2025 को होने वाले 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर पतंजलि योगपीठ ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले में एक बड़ा जागरुकता अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य है लोगों को योग और उससे होने वाले अनेकों स्वास्थ्य लाभों से अवगत कराना जिससे वह योग को अपनी दिनचर्या में अपनाकर एक स्वस्थ और संतुलित जीवन जी सकें।

21 जून को कुरुक्षेत्र के ब्रह्म सरोवर में होने वाले इस कार्यक्रम को योग गुरु बाबा रामदेव के मार्गदर्शन और हरियाणा योग आयोग और आयुष विभाग के सहयोग से चलाया जा रहा है। इस मुहिम का मकसद है ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को जागरुक करना और उन्हें इस अभियान का हिस्सा बनाना जिससे यह 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भव्य और ऐतिहासिक बन जाये।

पतंजलि योग समिति के राष्ट्रीय समन्वयक भाई राकेश कुमार 'भारत' के मुताबिक, इस साल के कार्यक्रम में पूरे देश से एक बड़ी संख्या में योग प्रेमियों के भाग लेने की उम्मीद है। भीषण गर्मी के बावजूद, पतंजलि के कार्यकर्ता कुरुक्षेत्र के हर घर और गांव जा-जाकर लोगों को योग के प्रति जागरुक कर रहे हैं। वे योग सत्रों के आयोजन से लेकर समुदायों से बात करने और लोगों को मुख्य कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण देने तक सभी कोशिशें कर रहे हैं जिससे इस आयोजन को सफल बनाया जा सके।

कुरुक्षेत्र जिले के कई गावों और क्षेत्रों जैसे पिपली, शाहाबाद, पिहोवा, थानेसर और लाडवा आदि के स्कूलों, कॉलेजों, कम्युनिटी सेंटर और पब्लिक स्थानों पर विशेष योग कार्यक्रम आयोजित किये जा चुके हैं। इसके अलावा रोड़ी शहीदान और इस्माइलाबाद के पास अंगरावली धर्मशाला जैसे गांवों में सुबह के योग विशेष शिविर भी लगाए गए हैं।

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने 3000 रुपये में फास्टैग एनुअल पास की घोषणा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को फास्टैग एनुअल पास की घोषणा की। 3000 रुपये में मिलने वाले इस पास से प्राइवेट व्हीकल एक साल तक या टोटल 200 टोल को क्रॉस कर सकेंगे। इस फास्टैग एनुअल पास को 15 अगस्त को लॉन्च किए जाने की योजना है। अब तक आपने इस फास्टैग पास से जुड़ी कई जानकारियां मिल गई होंगी कि पास कैसे काम करेगा और इसके लिए कैसे अप्लाई करना होगा इत्यादि। लेकिन आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि अगर आपने फास्टैग एनुअल पास को खरीदा और आपको नॉर्मल फास्टैग के मुकाबले कितना फायदा या नुकसान होगा।

दिल्ली-जयपुर रूट पर कितने पैसे बचेंगे- उदाहरण के लिए मान लेते हैं कि आप दिल्ली में रहते हैं। दिल्ली से हर रोज हजारों लोग जयपुर जाते हैं। इसलिए एनुअल पास का गुणा-भाग समझने के लिए हम दिल्ली से जयपुर की कैलकुलेशन समझ लेते हैं। दिल्ली-जयपुर रूट पर 4 टोल प्लाजा पड़ते हैं। ये हैं घमरोज, हिलालपुर, भंडारराज और राजाधोक।

दिल्ली से जयपुर जाने के लिए आपको इन चारों टोल प्लाजा को क्रॉस करना पड़ता है और इसमें कुल 322 रुपये का टोल लगता है यानी राउंड ट्रिप में करीब 644 रुपये। वीकेंड में घूमने के लिए जयपुर निकल जाने वालों की तरह अगर आप महीने में दो बार भी इस रूट पर सफर करते हैं, तो एक साल में आपको कुल 15,456 रुपये का टोल देना पड़ता है। जबकि एनुअल पास में आपको सिर्फ 3000 रुपये देने होंगे।

दिल्ली-चंडीगढ़ रूट पर कितनी होगी सेविंग- अब एक और चर्चित रूट दिल्ली-चंडीगढ़ की बात कर लेतें हैं। दिल्ली से चंडीगढ़ का रास्ता 4 से 5 घंटे में पूरा हो जाता है। इस रास्ते में मुरथल, पानीपत और कुरुक्षेत्र जैसी जगहें पड़ने की वजह से ये रूट रोड ट्रैवलर्स का काफी पसंदीदा माना जाता है।

हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने की डेडलाइन बढ़ी, सरकार ने दी ये सख्त वॉर्निंग

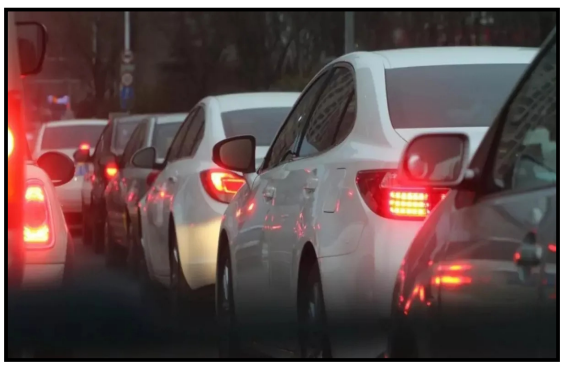

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने शुक्रवार को पुराने वाहनों के लिए हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट्स (एचएसआरपी) लगाने की आखिरी तारीख को बढ़ाकर 15 अगस्त कर दिया। इसके साथ ही चेतावनी दी कि इस तारीख के बाद नियम तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। यह तीसरा मौका है जब राज्य के परिवहन आयुक्त ने 1 अप्रैल, 2019 से पहले रजिस्टर्ड वाहनों के लिए एचएसआरपी लगाने की समय सीमा को बढ़ाया है। पहले यह समय सीमा 31 मार्च से बढ़ाकर अप्रैल के अंत तक की गई थी। लेकिन बाद में इसे जून के अंत तक बढ़ाया गया।

परिवहन विभाग के अनुमान के मुताबिक, महाराष्ट्र में 1 अप्रैल, 2019 से पहले रजिस्टर्ड 2.10 करोड़ पुराने वाहन हैं। लेकिन पिछले छह महीनों में केवल 23 लाख वाहनों पर ही एचएसआरपी लगाई गई है।

परिवहन आयुक्त कार्यालय ने एक बयान में कहा, 15 अगस्त के बाद, जिन वाहनों पर एचएसआरपी नहीं होगी, उनके खिलाफ प्रवर्तन दस्ते कार्रवाई करेंगे। हालांकि, जिन वाहनों के मालिकों ने 15 अगस्त से पहले एचएसआरपी लगवाने के लिए वैध अपॉइंटमेंट बुक कर लिया है, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी।

वाहन मालिकों को सलाह दी गई है कि वे परिवहन विभाग की वेबसाइट- https://transport.maharashtra.gov.in पर जाकर एचएसआरपी लगवाने के लिए अपॉइंटमेंट बुक करें। परिवहन विभाग ने लंबी निविदा प्रक्रिया के बाद तीन कंपनियों को 4 करोड़ से अधिक वाहनों में से 2.10 करोड़ वाहनों पर एचएसआरपी लगाने की जिम्मेदारी दी है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

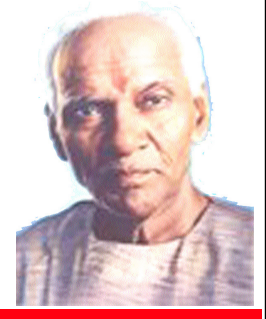

विक्रम संवत 2079 कृष्ण एकादशी

संपादकीय

योग के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए....

योग के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए हर साल 21 जून को पूरे विश्व में अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। हमारे देश में योग से निरोग होने का आदर्श प्राचीन काल से रहा है। योग की उपादेयता को विश्व के कोने-कोने तक फैलाने का श्रेय भी भारत को ही जाता है जिसके कारण आज पूरे विश्व में योग दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाषण के दौरान योग दिवस मनाए जाने का प्रस्ताव रखा था जिसे 11 दिसंबर, 2014 को मंजूरी मिल गई और इसके बाद 21 जून 2015 को पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। तब से प्रत्येक वर्ष इसे मनाने की परिपाटी जारी है। इस वर्ष भी 21 जून को भारत सहित पूरी दुनिया में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाने वाला है।

वस्तुतः- योग अनिवार्य रूप से एक अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित आध्यात्मिक अनुशासन है, जो मन और शरीर के बीच सामंजस्य लाने पर केंद्रित है। यदि इसे स्वस्थ जीवन जीने की एक कला और विज्ञान कहा जाय तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। योग शब्द संस्कृत मूल युज से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है जुड़ना या जोड़ना या एकजुट होना। योग शास्त्रों के अनुसार योग का अभ्यास व्यक्तिगत चेतना को सार्वभौमिक चेतना के साथ जोड़ता है, जो मन और शरीर, मनुष्य और प्रकृति के बीच एक पूर्ण सामंजस्य स्थापित करता है। आधुनिक वैज्ञानिकों के अनुसार, ब्रह्मांड में सब कुछ एक ही क्वांटम आकाश की अभिव्यक्ति है। योग अस्तित्व की इस एकता का अनुभव कराता है।

योग की व्यापक उपादेयता के कारण आज के युग में हर कोई स्वास्थ्य के संरक्षण, रखरखाव और संवर्धन के लिए योग अभ्यास के बारे में जानना और आश्वस्त होना चाहता है। योग को देश-विदेश में लोकप्रिय बनाने तथा इसकी उपादेयता से लोगों को परिचित कराने में स्वामी शिवानंद, श्री टी. कृष्णमाचार्य, स्वामी कुवलयानंद, श्री योगेंद्र, स्वामी राम, श्री अरबिंदो, महर्षि महेश योगी, आचार्य राजनीश, पट्टाभिजोई, बी.के.एस. आयंगर, स्वामी सत्यानंद सरस्वती और ऐसे ही अन्य महान व्यक्तित्वों के नाम सहज रूप से सामने आते हैं। किंतु योग की दुनिया में कई ऐसे जाने-अनजाने नाम भी हैं जिन्होंने जमीनी स्तर पर एकांत साधना कर न सिर्फ योग में महारत हासिल की, वरन् अपने जिले-कस्बे का नाम रोशन करते हुए आम जन तथा युवा पीढ़ी को योग-साधना के साथ जोड़कर समाज व देश सेवा के महती कार्य किये। इन्हीं महान योग साधकों में एक महत्वपूर्ण नाम योगीराज हरिदेव प्रसाद ठाकुर का आता है जिन्हें लोग श्रद्धा के साथ याद करते हैं।

योगीराज हरिदेव प्रसाद ठाकुर का जन्म 1935 में हुआ था। बिहार के भागलपुर में जन्मे योगीराज हरिदेव प्रसाद ठाकुर का नाम योग के क्षेत्र में बिहार में एक प्रसिद्ध नाम है। युवावस्था से स्वस्थ और निरोग जीवन को मूलमंत्र माननेवाले योगीराज श्री ठाकुर ने अपने गुरू विष्णु चरण घोष से योग में शिक्षा ली। विष्णु चरण घोष योगी योगानंद के भाई थे। विष्णु चरण घोष बी.के.एस आयंगर के समय से लगभग तीन दशक पहले कोलकाता में एक योग गुरु का कार्य करते थे, जिन्होंने पश्चिमी दुनिया में योग को लोकप्रिय बनाया। विष्णु चरण घोष ने योग को लोकप्रिय बनाने के लिए यूरोप से जापान तक दुनिया का दौरा किया। वे मुख्य रूप से चिकित्सा के लिए योग उपयोग करते थे। उन्होंने ही लगभग एक सदी पहले दुनिया को बताया था कि असाध्य और पुरानी बीमारियों को ठीक करने के लिए योग एक सशक्त माध्यम है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को प्रतिवर्ष 21 जून को मनाने का निर्णय संयुक्त राष्ट्र द्वारा लिया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को विश्व योग दिवस घोषित किया है। योग हज़ारों साल से भारतीयों की जीवन शैली का हिस्सा रहा है। ये भारत की धरोहर है। विश्व के कई हिस्सों में इसका प्रचार-प्रसार हो चुका है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र के इस निर्णय के बाद उम्मीद की जा रही है कि अब इसका विस्तार और भी तेज़ी से होगा।

प्रस्ताव- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाये जाने की पहल भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 27 सितम्बर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने भाषण में रखकर की थी, जिसके बाद 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया। 11 दिसम्बर, 2014 को संयुक्त राष्ट्र में 193 सदस्यों द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। प्रधानमंत्री मोदी के इस प्रस्ताव को 90 दिन के अंदर पूर्ण बहुमत से पारित किया गया, जो संयुक्त राष्ट्र संघ में किसी दिवस प्रस्ताव के लिए सबसे कम समय है।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्ताव का 175 देशों ने समर्थन किया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष सैम के. कुटेसा का कहना था कि- ÷इतने देशों के इस प्रस्ताव को समर्थन देने से साफ है कि लोग योग के फायदों के प्रति आकर्षित हो रहे हैं।÷ संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने पहले भाषण में नरेन्द्र मोदी जी ने कहा था कि- ÷भारत के लिए प्रकृति का सम्मान अध्यात्म का अनिवार्य हिस्सा है।÷ प्रधानमंत्री मोदी ने इसे विश्व स्तर पर आने की बात कही थी।

21 जून ही क्यों- 21 जून पूरे कैलेंडर वर्ष का सबसे लम्बा दिन है। प्रकृति, सूर्य और उसका तेज इस दिन सबसे अधिक प्रभावी रहता है। बेंगलुरू में 2011 में पहली बार दुनिया के अग्रणी योग गुरुओं ने मिलकर इस दिन विश्व योग दिवस मनाने पर सहमति जताई थी।

इस दिन को किसी व्यक्ति विशेष को ध्यान में रखकर नहीं, बल्कि प्रकृति को ध्यान में रखकर चुना गया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के लिए पिछले सात सालों के दौरान यह इस तरह का दूसरा सम्मान है। इससे पहले यूपीए सरकार की पहल पर वर्ष 2007 में संयुक्त राष्ट्र ने महात्मा गाँधी के जन्मदिन यानि 2 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस के तौर पर घोषित किया था।

प्राचीन आध्यात्मिक पद्धति- योग 5,000 साल पुरानी भारतीय शारीरिक मानसिक और आध्यात्मिक पद्धति है, जिसका लक्ष्य मानव शरीर और मस्तिष्क में सकारात्मक परिवर्तन लाना है।

समारोह- भारत में प्रथम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े पैमाने पर मनाया गया, जिसकी तैयारियाँ बड़े जोर-शोर से भारत सरकार द्वारा की गई थी। भारत में प्रथम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य समारोह दिल्ली के राजपथ पर आयोजित किया गया, जिसमें स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शिरकत की। प्रधानमंत्री मोदी ने राजपथ पर 16000 लोगों के साथ योग किया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का गणतंत्र दिवस समारोह जैसा कवरेज दूरदर्शन द्वारा किया गया, जिसका सीधा प्रसारण भी किया गया। प्रसारण अंतरराष्ट्रीय मानक का हो यह सुनिश्चित करने के लिए अत्याधुनिक उपकरण का इस्तेमाल किया गया। राजनीतिक लोगों के अतिरिक्त योगगुरु बाबा रामदेव और हिन्दी फ़िल्मों के महानायक अमिताभ बच्चन भी इस समारोह भी शामिल थे। संयुक्त राष्ट्र में भी योग दिवस मनाने के लिए व्यापक तैयारियाँ की गई थीं। पहले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने संयुक्त राष्ट्र में आयोजित समारोह की अध्यक्षता की।

योग शिविर

प्रथम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर भारत ही नहीं बल्कि दूसरे देशों में भी योग शिविर लगाए गये। इसके लिए अलग-अलग देशों में योग गुरुओं को भेजा गया था। इसी समय देश के अलग-अलग हिस्सों में भी करोड़ों लोगों ने योग शिविर में हिस्सा लिया। यह आंकड़ा गिनीज़ बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी दर्ज होने की सम्भावना रखता है। ऐसा पहली बार था, जब एक ही दिन और एक ही समय इतनी बड़ी तादाद में लोग योग शिविरों में हिस्सा लेने वाले थे।

योग दिवस का उद्देश्य- निम्न उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये योग के अंतरराष्ट्रीय दिवस को अंगीकृत किया गया है-

योग के द्वारा तनाव से राहत दिलाने के द्वारा खुद से उनकी बुरी परिस्थिति में लोगों की मदद करना।

योग के द्वारा लोगों के बीच वैश्विक समन्वय को मजबूत करना।

वृद्धि, विकास और शांति को पूरे विश्वभर में फैलाना।

लोगों को शारीरिक और मानसिक बीमारियों के प्रति जागरुक बनाना और योग के माध्यम से इसका समाधन उपलब्ध कराना।

अस्वास्थ्यकर कार्यों से बचाना और बेहतर स्वास्थ को बनाने के लिये अच्छे कार्य को सम्मान और प्रचारित करना।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के उच्च स्तर का पूरी तरह से आनन्द लेने के लिये लोगों को उनके अच्छे स्वास्थ्य और स्वस्थ्य जीवन-शैली के अधिकार के बारे में बताना।

स्वास्थ्य की सुरक्षा और दीर्घकालिक स्वास्थ्य विकास के बीच संबंध जोड़ना।

नियमित योग अभ्यास के द्वारा सभी स्वास्थ्य चुनौतीयों से पार पाना।

योग अभ्यास के द्वारा लोगों के बेहतर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रचारित करना।

योग के अद्भुत और प्राकृतिक फायदों के बारे में लोगों को बताना।

योग अभ्यास के द्वारा लोगों को प्रकृति से जोड़ना।

योग के द्वारा ध्यान की आदत को लोगों में बनाना।

योग के समग्र फायदों की ओर पूरे विश्वभर में लोगों का ध्यान खींचना।

पूरे विश्व भर में स्वास्थ्य चुनौतीपूर्ण बीमारियों की दर को घटाना।

व्यस्त दिनचर्या से स्वास्थ्य के लिये एक दिन निकाल कर समुदायों को और करीब लाना।

क्या है बाबा रामदेव का ओसवाल पंप्स से कनेक्शन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में ओसवाल पंप्स के आईपीओ की लिस्टिंग हुई। NSE और BSE दोनों पर इसके शेयर लिस्ट हुए। NSE पर ओसवाल पंप्स के शेयर इश्यू प्राइस से 3.26 फीसदी उछलकर 634 रुपये तो BSE पर 2.93% चढ़कर 632 रुपये में लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद, ओसवाल पंप्स के शेयर की कीमत बीएसई पर 649.15 प्रति शेयर और एनएसई पर 652.00 प्रति शेयर के हाई स्तर पर पहुंच गई। NSE एक्सचेंज में ओसवाल पंप्स लिमिटेड की लिस्टिंग के दौरान पतंजलि के बाबा रामदेव भी पहुंचे। उन्होंने भी ओसवाल ग्रुप के प्रमोटरों के साथ हस्थ की घंटी बजाई। Baba Ramdev के घंटी बजाने का वीडियो भी सामने आया है। आइए जानते हैं कि आखिर गुप्ता परिवार के साथ उनका क्या कनेक्शन है।

बाबा रामदेव ने क्यों बजाई घंटी- NSE में लिस्ट होने वाली कंपनियों के लिए बेल रिंगिंग सेरेमनी रखी जाती है। आज शेयर मार्केट में NSE और BSE प्लेटफॉर्म पर ओसवाल पंप्स के IPO की लिस्टिंग हुई। इसलिए एनएसई में बेल रिंगिंग समारोह था। इस समारोह में पतंजली ग्रुप के बाबा रामदेव भी पहुंचे थे। कंपनी के प्रमोटरों के साथ उन्होंने भी बेल बजाई। Oswal Pumps आईपीओ की लिस्टिंग आज बाजार की उम्मीदों से कम रही। ओसवाल पंप्स IPO GMP ने आज करीब 7% प्रीमियम पर शुरुआत का संकेत दिए थे। लेकिन उसके अनुसार मार्केट में इसकी लिस्टिंग नहीं हुई।

ओसवाल पंप्स आईपीओ में 890 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयर और प्रमोटर विवेक गुप्ता द्वारा 81 लाख शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल थी। कंपनी ने IPO के जरिए कुल 497.34 करोड़ रुपये जुटाए। ओसवाल पंप्स ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 761.23 करोड़ का रेवेन्यू और 97.67 करोड़ का शुद्ध मुनाफा कमाया था।

क्या है बाबा रामदेव का ओसवाल पंप्स से कनेक्शन- ओसवाल पंप्स की स्थापना पदम सेन गुप्ता ने 2003 में की थी। उन्होंने मोनोब्लॉक पंपों के निर्माण के साथ ऑपरेशन शुरू किया था।

खरीद लीजिए वंदे भारत ट्रेन बनाने वाली कंपनी के शेयर, ब्रोकरेज का दावा- और बड़ी तेजी आएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस शेयरों में पिछले कुछ महीनों से लगातार तेजी देखी जा रही है। खासकर भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य संघर्ष और अब ईरान व इजरायल में जारी युद्ध के चलते गोला-बारूद और मिसाइल बनाने वाली कंपनियों के शेयर फोकस में हैं। देश के दिग्गज ब्रोकरेज हाउस आनंद राठी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज ने बीईएमएल के शेयरों पर खरीदी की राय दी है। खास बात है कि यह सरकारी कंपनी डिफेंस प्रोडक्ट्स के साथ-साथ वंदे भारत, मेट्रो और अन्य ट्रेनों के लिए कोच भी बनाती है। ब्रोकरेज फर्म का मानना है कि डिफेंस सेक्टर में पिछले कुछ समय से अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। वहीं, BEML के शेयरों में एक मजबूत अपट्रेंड देखा जा रहा है, और वीकली बेसिस पर ब्रेकआउट के साथ इस शेयर में तेजी जारी है।

BEML शेयर पर टारगेट प्राइस- आनंद राठी इन्वेस्टमेंट सर्विसेज ने भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड के शेयरों पर 5725 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है, जबकि इसका मौजूदा भाव 4650 रुपये है। खास बात है कि यह डिफेंस शेयर आज 8 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ ट्रेड कर रहा है।

ब्रोकरेज फर्म आनंद राठी इन्वेस्टमेंट ने इस स्टॉक को ?4550-4450 के दायरे में खरीदने की सलाह दी है, ?5725 का टारगेट प्राइस दिया है।

आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की अमेरिका से व्यापारिक साझेदारी की उम्मीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की हालत किसी से छिपी नहीं है। बीते समय जब भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसी परिस्थिति बनी थी, तब पाकिस्तान को वित्तीय खर्च के लिए दूसरे देशों से मदद लेनी पड़ी। अब पाकिस्तान अमेरिका के दरवाजे तक पहुंच गया है।

हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के आर्मी चीफ असिम मुनीर की साथ में व्हाइट हाउस में मीटिंग हुई। ये मीटिंग बुधवार को रखी गई, इसके बाद पाकिस्तान के आर्मी चीफ असिम मुनीर ने मीडिया को बड़ा ब्यान दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान बहुत जल्द लंबे समय के लिए ट्रेड पार्टनरशिप कर सकते हैं।

पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने कहा, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के साथ ट्रेड डील में अपनी दिलचस्पी दिखाई है। इसके साथ ही उनका कहना है कि अमेरिका और पाकिस्तान दोनों ही आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठा रहे हैं। इसके अलावा भी पाकिस्तान के आर्मी चीफ ने कहा कि पाकिस्तान और भारत के बीच संघर्ष विराम लगाने के लिए पाकिस्तान की जनता की ओर से मैं उनका शुक्रगुजार हूं।

Trump की ओर से क्या आया ब्यान - ट्रंप ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के दोनों ही नेताओं ने पिछले महीने के संघर्ष को समाप्त करने का निर्णय लिया, जो परमाणु युद्ध में बदल सकता था।

हालांकि ट्रंप की ओर ट्रेड पार्टनरशिप को लेकर कोई बात मीडिया रिकॉर्ड में दर्ज नहीं की गई है।

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की क्या है हालत- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वित्त वर्ष 2024-25 (जुलाई-जून) में पाकिस्तान की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 3% से घटाकर 2.6% कर दिया है। राजकोषीय घाटा 6.7% रहने का अनुमान है, जो पिछले वित्त वर्ष में GDP का 7.4% था।

जानें क्या है ITR फाइल करने का सही तरीका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप भी पिछले वित्त वर्ष की गई कमाई को लेकर ढ्ढञ्जक्र भरने की सोच रहे हैं तो यह खबर आपके लिए ही है। दरअसल, कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को फॉर्म 16 जारी कर दिए हैं। ऐसे में अब आईटीआर भरने का काम शुरू हो गया है। कुछ करदाताओं ने तो आईटीआर फाइल भी कर दिया है। लेकिन अब भी बहुत से लोग इस संशय में है कि आईटीआर खुद से भरें या फिर किसी CA यानी चार्टर्ड अकाउंटेंट से भरवाएं।

इस बार सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज यानी CBDT ने इनकम टैक्स फाइल करने की लास्ट डेट को बढ़ाकर 31 जुलाई से 15 सितंबर कर दिया है। वैसे हर साल यह 31 जुलाई ही रहा करती थी। हालांकि, अगर आपको फॉर्म 16 मिल गया है तो लास्ट डेट का इंतजार करने से बेहतर है कि आप इसे भर दें।

करदाताओं के मन में हमेशा एक सवाल रहता है कि आखिर उन्हें Income Tax Return खुद से भरना चाहिए या फिर उन्हें चार्टर्ड अकाउंटेंट से फाइल कराएं? इसका जवाब आपकी इनकम पर निर्भर करता है।

इस पर टैक्स एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर आपकी इनकम के सोर्स लिमिटेड हैं या फिर आप सिर्फ नौकरी कर रहे हैं और कहीं से आय को कोई स्त्रोत नहीं है तो आप खुद से ITR फाइल कर सकते हैं।

देश का एफएमसीजी सेक्टर डिमांड में कमी से जूझ रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के एफएमसीजी सेक्टर में पिछले साल सितंबर से बड़ी गिरावट देखने को मिली है। इसकी बड़ी वजह बढ़ती महंगाई और उपभोक्ता खपत में कमी को बताया गया। इसके चलते एफएमसीजी सेक्टर की कंपनियों जैसे- आईटीसी, हिंदुस्तान यूनीलिवर, ब्रिटानिया, मैरिको, नेस्ले इंडिया और टाटा कंज्यूमर समेत अन्य शेयरों में लगातार गिरावट हावी रही. एफएमसीजी कंपनीज, महंगाई के कारण हायर इनपुट कॉस्ट का भी सामना कर रही थीं। हालांकि, अब महंगाई दर बड़ी गिरावट के बाद 4 फीसदी से नीचे है, साथ ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में डिमांड में सुधार देखने को मिल रहा है।

इसके अलावा, बजट में 12 लाख रुपये की आय को कर मुक्त करने और ऋब्द्ध द्वारा लगातार ब्याज दरों में दो कटौती करने से कंजम्शन को बढ़ावा मिलेगा, जो एफएमसीजी सेक्टर में डिमांड रिकवरी के लिए काफी अहम है। देश के दिग्गज ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में रिसर्च एनालिस्ट दिव्या अग्रवाल ने एफएमसीजी सेक्टर को लेकर अहम फैक्टर के बारे में बताया, जो इस सेक्टर की चाल को निर्धारित करेंगे।

कंज्यूमर मार्केट में दिख रहा सुधार

दिव्या अग्रवाल ने कहा, यद्यपि उपभोक्ता क्षेत्रों में मंदी बनी हुई है, लेकिन आयकर लाभ, ब्याज दर में कटौती, तथा खुदरा मुद्रास्फीति में कमी और अन्य मोर्चों पर सुधार होने से डिमांड में धीरे-धीरे सुधार होने की उम्मीद है। दिव्या अग्रवाल ने कहा, ÷वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में ग्रामीण मांग में धीरे-धीरे सुधार हुआ, जबकि शहरी मांग में कमी रही। यह प्रवृत्ति नीलसन के आंकड़ों में भी दिखाई दी, जिसमें ग्रामीण विकास 8.4त्न रहा, जबकि शहरी विकास 2.6त्न रहा। भविष्य को देखते हुए, हम ग्रामीण और शहरी दोनों बाजारों में मांग में सुधार के साथ वॉल्यूम वृद्धि में स्थिर सुधार की उम्मीद करते हैं।

मल्टीबैगर स्टॉक में FII की हिस्सेदारी बढ़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव लगा रहता है। इस बीच हमने एक ऐसा स्टॉक चुना है जिसने जून महीने में विदेशी निवेशक को अपनी तरफ मोह लिया है। दरअसल हम आपको मल्टीबैगर रिटर्न देने वाले स्टॉक दुगर हाउसिंग डेवलपमेंट्स के बारे में बता रहे हैं। स्क्रीनर डॉट इन के डेटा के मुताबिक इस पर जून महीने में FII ने 22 फीसदी की हिस्सेदारी खरीदी है। दुगर हाउसिंग डेवलपमेंट्स के शेयर के ताजा अपडेट की बात करें तो यह आज 2 फीसदी की तेजी के साथ 53.9 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

1 साल में दिया 340 फीसदी का मल्टीबैगर रिटर्न- दुगर हाउसिंग डेवलपमेंट्स स्मॉल कैप कंपनी है। इसके शेयर पिछले 5 दिनों में 8.19 फीसदी तक उछल चुके हैं। वहीं 1 महीने में स्टॉक ने 92.57 फीसदी का रिटर्न दिया है। वहीं 6 महीने में यह 244.94 फीसदी तक उछल चुके हैं। वहीं एक साल में इस स्टॉक ने 339.48% का रिटर्न दिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

लगातार बारिश से कुंवरपुर में नाले में आया उफान, चार युवक बहे, ग्रामीणों ने किया रेस्क्यू

शिवपुरी। जिले भर में गुरूवार की रात से लगातार हो रही बारिश ने मौसम को बिलकुल बदलकर रख दिया है। गुरूवार की रात से ही जिले भर में कभी तेज तो कभी रिमझिम बारिश हो रही है जो शुक्रवार को भी लगातार जारी रही। इस बारिश से जिले भर में कहीं कोई बुरी खबर नहीं आई। हालांकि एक छोटा हादसा हुआ है, जिसमें एक टैक्टर नाले में बह गया।

लेकिन शिवपुरी के ग्राम कुंवरपुर में लगातार हो रही बारिश से गांव का नाला उफान पर आ गया। जिसमें एक ट्रैक्टर सहित चार युवक बह गए। ट्रैक्टर पूरी तरह से जलमग्न हो गया और युवक पानी में बह गए। हालांकि इन चारों युवकों को ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर सुरक्षित बाहर निकाल लिया।जानकारी के अनुसार ग्राम पटेवरी निवासी विनोद आदिवासी, विमल आदिवासी और पूरन आदिवासी ट्रैक्टर-ट्राली में गेरू (घर की पुताई करने वाली लाल मिट्टी) लेकर शिवपुरी से ग्राम पटेवरी जा रहे थे। इसी दौरान सुबह करीब दस बजे जब यह लोग कुंवरपुर के नाले पर पहुंचे तो नाला उफान पर था, परंतु ट्रेक्टर के चालक ने लापरवाही पूर्वक ट्रैक्टर-ट्राली को उफनते हुए नाले में कुंदा दिया। जैसे ही ट्रैक्टर-ट्राली बीच पानी में पहुंचे तो पानी के बहाव के कारण ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर पर से नियंत्रण खो बैठा और ट्रैक्टर-ट्राली पानी के बहाव के साथ नाले में बह गए।एक युवक ने बहते हुए खजूर का पेड़ पकड़ लिया तो तीन युवकों ने ट्राली का डाला पकड़कर पानी के बहाव में आधा घंटे तक संघर्ष किया। इस दौरान कुंवरपुर के ग्रामीणों ने मोटे रस्से का प्रबंध किया और उसे किसी तरह ट्रैक्टर ट्राली तक पहुंचाया तथा रस्सी बांधकर पानी में बहे चारों लोगों को बाहर निकाला। ग्रामीणों ने मामले की सूचना सिरसौद पुलिस को भी दे दी थी, परंतु पुलिस के पहुंचने से पहले ही ग्रामीणों ने इस सफल रेस्क्यू को अंजाम दे दिया।

भोपाल में बनेगी प्रदेश की पहली एकीकृत टाउनशिप, BHEL से ली जाएगी 1600 एकड़ भूमि

भोपाल। भोपाल शहर के विकास को लेकर एक बड़ी योजना पर काम शुरू हो गया है। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड से 1600 एकड़ भूमि लेकर मध्यप्रदेश सरकार राजधानी में प्रदेश की पहली एकीकृत टाउनशिप बसाने जा रही है। केंद्र सरकार से इस प्रस्ताव को हरी झंडी मिल चुकी है और योजना के तहत स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग और आवास सभी जरूरतें एक ही स्थान पर पूरी होंगी। यह परियोजना भोपाल के शहरी परिदृश्य को पूरी तरह बदल सकती है।भोपाल में बनेगी पहली एकीकृत टाउनशिप

राजधानी भोपाल को नया शहरी रूप देने की दिशा में सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। वर्ष 1962 से 1967 के बीच मध्यप्रदेश सरकार ने भारत सरकार को भेल परियोजना के लिए लगभग 6,000 एकड़ भूमि दी थी। इसमें से करीब 2,000 एकड़ भूमि अब तक उपयोग में नहीं लाई गई। इस जमीन में से 1600 एकड़ भूमि अब राज्य सरकार को वापस मिल रही है, जिस पर प्रदेश की पहली एकीकृत टाउनशिप विकसित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने की पहल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर केंद्र सरकार ने इस भूमि को साझा उपयोग के लिए वापस देने पर सहमति जताई है। इस परियोजना के अंतर्गत आवासीय भवन, उद्योगिक भूखंड, स्कूल, अस्पताल, खेल मैदान और अन्य आवश्यक सुविधाएं एक ही क्षेत्र में उपलब्ध कराई जाएंगी। साथ ही, यह प्रस्ताव भी तय किया गया है कि इस योजना से होने वाले राजस्व का 50-50 प्रतिशत लाभांश राज्य सरकार और भेल के बीच बांटा जाएगा।

आवास योजना के तहत आवासीय योजनाएं भोपाल मेट्रोपोलिटन क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए इस जमीन का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करने के लिए बहुमंजिला इमारतों का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आवासीय योजनाएं भी तैयार की जाएंगी ताकि कम आय वर्ग के लोगों को भी लाभ मिल सके।

मुख्य सचिव अनुराग जैन की निगरानी में इस परियोजना की कार्ययोजना तैयार की जा रही है। विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ एजेंसी की नियुक्ति भी जल्द की जाएगी।

सरकार इस परियोजना को निवेशकों के लिए आकर्षक बनाने के उद्देश्य से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट म पहले ही घोषित कर चुकी है। इस योजना में निजी निवेश आमंत्रित किए जाएंगे और सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से सभी जरूरी स्वीकृतियां प्रदान की जाएंगी।

छोटे जिलों के मेडिकल कॉलेजों के शिक्षकों को 50 हजार रुपये प्रतिमाह तक प्रोत्साहन भत्ता देने की तैयारी

भोपाल। मध्य प्रदेश में डॉक्टरों की कमी को देखते हुए राज्य सरकार तीन बड़े कदम उठाने जा रही है। इसमें सबसे मुख्य यह कि छोटे जिलों के मेडिकल कॉलेजों के शिक्षकों को 50 हजार रुपये प्रतिमाह तक अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

इसके लिए न्यूनतम जनसंख्या व अन्य मापदंड निर्धारित कर जिलों को चिह्नित किया जाएगा। इनमें पिछले वर्ष प्रारंभ किए गए सिवनी, नीमच और मंदसौर मेडिकल कॉलेज को भी सम्मिलित करने की तैयारी है।बुधनी, उज्जैन, मंडला, राजगढ़ सहित 6 जिलों में कॉलेज शुरू करने की तैयारी उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2025-26 और 2026-27 में मिलाकर आठ मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने की तैयारी में है। इनमें श्योपुर और सिंगरौली में इसी वर्ष से एमबीबीएस पाठ्यक्रम प्रारंभ करने के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) को आवेदन भी किया गया है। अगले सत्र में बुधनी, उज्जैन, मंडला, राजगढ़ सहित छह जिलों में कॉलेज प्रारंभ करने की तैयारी है।कॉलेजों के लिए नहीं मिल रहे टीचर छोटे जिलों के कॉलेजों के लिए शिक्षक (सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और प्राध्यापक) नहीं मिल रहे हैं। इस कारण राज्य सरकार प्रोत्साहन राशि देने जा रही है। साथ ही मेडिकल कॉलेजों के सेवानिवृत्त शिक्षकों को 70 वर्ष की आयु तक संविदा नियुक्ति देने और एनएचएम की सेवा को बंध पत्र सेवा अवधि में सम्मिलित करने की तैयारी है। तीनों प्रस्तावों को शीघ्र ही कैबिनेट में लाया जाएगा।

70 साल तक संविदा में सेवा पर रखा जाएगाशिक्षकों की कमी पूरी करने के लिए शासकीय मेडिकल कॉलेजों से 65 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों को अधिकतम 70 वर्ष की आयु तक संविदा पर सेवा में रखा जा सकेगा। अभी संविदा का प्रविधान नहीं है। एनएमसी ने भी अपने मापदंडों में 70 वर्ष तक अधिकतम आयु को मान्य किया है। इसी आधार पर निजी मेडिकल कॉलेज 70 वर्ष तक सेवाएं

मानसून आने से 6 दिन पहले ही जून में औसत से अधिक बारिश, मौसम हुआ सुहावना

ग्वालियर चंबल में तय समय से पहले ही मानसून ने आमद दे दी है और सक्रिय भी है। मानसून सक्रिय होने से पहले ही प्री मानसून की बारिश से ग्वालियर जिले का जून महीने का कोटा पूरा हो गया है। ग्वालियर में जून महीने में औसतन 85 मिमी बारिश होती है, लेकिन मानसून आने की घोषणा के दो दिन के ही अंदर कोटा से अधिक 100.2 मिमी बारिश हो चुकी है।

बता दें कि यह स्थिति मानसून आने के निर्धारित तिथि से छह दिन पहले की है। अभी जून के 11 दिन में कोटे से दोगुनी बारिश होने की उम्मीद है। इसी तरह जुलाई महीने का बारिश का कोटा 224 मिमी है और अगस्त का 250 मिमी के करीब है। केंद्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने इस बार भी सामान्य से अधिक होने की संभावना जताई है। ऐसे में जुलाई और अगस्त में भी कोटे से अधिक वर्षा हो सकती है।

गुरुवार को पूरे क्षेत्र में कहीं पर रिमझिम तो कहीं पर हल्की तो कहीं पर तेज बारिश हुई। इससे दिन के तापमान में भी 2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। इससे मौसम काफी सुहावना हो गया। शुक्रवार को भी अंचल के तकरीबन सभी क्षेत्रों में वर्षा होने का मौसम विभाग ने अनुमान बताया है।वहीं लगातार बारिश के कारण शहर में कई जगहों पर जलभराव की स्थिति बन गई है। इससे लोगों को आने जाने में काफी परेशानी हुई। गुरुवार को ग्वालिय क्षेत्र में 37 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। हालांकि लोग इस मौसम का आनंद उठा रहे हैं।

मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, दक्षिण पश्चिमी मानसून आगे उत्तरप्रदेश की तरफ बढ़ा है। मानसून की उत्तरी सीमा बाड़मेर, जोधपुर, जयपुर, ग्वालियर, खजुराहो, सोनभद्र, बलिया से गुजरना जारी है। अगले दो-तीन दिन के दौरान उत्तरी अरब सागर के शेष हिस्सों, राजस्थान व बचे हुए मध्यप्रदेश के हिस्सों में पहुंच जाएगा।बता दें कि अभी अंचल के भिंड में मानसून पूरी तरह से सक्रिय नहीं हो पाया है। दक्षिण पश्चिमी राजस्थान क्षेत्र व पूर्वोत्तर राजस्थान के ऊपर अलग अलग चक्रवातीय प्रसार जारी हैं। साथ ही एक ट्रफ उत्तर पश्चिम उत्तरप्रदेश से उत्तर गुजरात तक है। साथ ही दक्षिण पंजाब से दक्षिण असम तक एक ट्रफ जा रही है। साथ ही पश्चमी बंगाल के पास हवा का कम दवाब का क्षेत्र बना हुआ है।उमस से परेशान आम जन

अंचल में दिन व रात का तापमान बेशक कम है और गर्मी का प्रकोप अब बहुत कम रह गया है। लेकिन वातावरण में नमी काफी अधिक है। इससे वातावरण में उमस पैदा हो रही है। उमस ने लोगों को परेशान कर रखा है। दिन में वातावरण में नमी 98 प्रतिशत रही। यानि सामान्य से 52 प्रतिशत अधिक थी।जल भराव से कई जगहों पर समस्या

कभी हल्की, कभी तेज वर्षा से शहर में कई सड़कों पर पानी भर गया है। हालांकि कई जगहों का पानी वर्षा के बाद निकल गया। लेकिन कई जगहों पर पानी नहीं निकला।

विवाह के लिये कुंडली के साथ वर-वधु का सिकल सेल जेनेटिक कार्ड भी मिलाएं - मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन में है जनजातीय समाज की समस्याओं के प्रति तीव्र वेदना

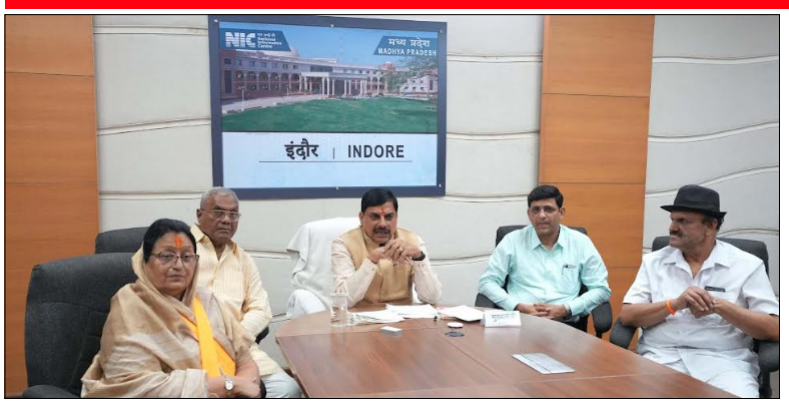

इंदौर। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि सिकल सेल के संपूर्ण उन्मूलन के लिए हम सबकी सक्रिय सामूहिक भागीदारी आवश्यक है। सबके विश्वास, साथ और प्रयासों से ही रोग का उन्मूलन होगा। राज्यपाल श्री पटेल विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर बड़वानी में आयोजित राज्य स्तरीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इंदौर से वर्चुअली कार्यक्रम से जुड़े। कार्यक्रम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का प्रदेश की जनता के नाम संदेश और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों पर आधारित अभिनंदन-पत्र का उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल द्वारा वाचन किया गया।

जनजातियों के कल्याण का स्वर्ण काल- राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जनजाति जीवन के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए समर्पित और संवेदनशील व्यक्तित्व है। उनके नेतृत्व में भारत में जनजाति कल्याण का स्वर्ण युग चल रहा है। सिकल सेल उन्मूलन मिशन के तहत प्रदेश सरकार सराहनीय कार्य कर रही है। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल उन्मूलन प्रयासों के लिए राज्य सरकार की पूरी टीम को बधाई दी।

सिकल सेल के उन्मूलन के लिए दिए मंत्र- राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल उन्मूलन के लिए जागरूकता सर्वाधिक आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विवाह के पूर्व युवक-युवती अपने जेनेटिक कार्ड का मिलान ज़रूर करें। इसी प्रकार गर्भावस्था में माँ और बच्चे की सिकल सेल जाँच और जन्म के 72 घंटों में नवजात की जाँच किया जाना ज़रूरी है। राज्यपाल श्री पटेल ने सिकल सेल से पीड़ित रोगी और वाहकों से भी अपील की है कि वे नियमित व्यायाम, पौष्टिक आहार और चिकित्सक की सलाह अनुसार दवाइयाँ लें। उन्होंने अभिभावकों से भी कहा कि सिकल सेल प्रभावित बच्चों के साथ आत्मीय व्यवहार करें। उन्हें सिकल सेल को समझने, लड़ने और हराने में संबल प्रदान करें।

जनजातीय प्रतिनिधियों से की सहयोग की अपील- राज्यपाल श्री पटेल ने स्वयं जनजातीय समुदाय से आने की बात कहते हुए समुदाय के प्रतिनिधियों से अपील की कि जनजाति क्षेत्रों में सिकल सेल के जनजागरण प्रयासों में सतत, सक्रिय और संवेदनशीलता के साथ सहयोग करें। उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि सिकल सेल उन्मूलन के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार में सहयोगी बने।

युवा अपनी प्रतिभा का उपयोग जनजातीय कल्याण में करें- राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि सिकल सेल की जागरूकता और रोकथाम प्रयासों को शैक्षणिक संस्थानों की विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के साथ पाठ्यक्रमों में भी शामिल करने के लिये कहा। उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई करने वाले जनजाति समुदाय के विद्यार्थियों से अपील की कि वे सिकल सेल रोग उन्मूलन के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करें। इस बीमारी पर शोध करें।

पहली बार कुष्ठ रोगियों के साथ मनाया जाएगा योग का पर्व, कृष्णा गुरु करेंगे संवाद

इंदौर। 21 जून 2025 को 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक ऐतिहासिक पहल की जा रही है।

इस बार योग दिवस का आयोजन गांधी नगर, भोपाल स्थित कुष्ठ आश्रम में किया जाएगा, जहां पहली बार कुष्ठ रोगी योग दिवस में भाग लेंगे। यह आयोजन अंतरराष्ट्रीय योग गुरु कृष्णा मिश्रा (कृष्णा गुरुजी) की अगुवाई में होगा, जो हर वर्ष योग दिवस को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से अनूठे स्थानों पर योग करवाते आए हैं।

इस वर्ष का आयोजन 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' के संदेश के साथ सामाजिक एकता, समावेशिता और रोगमुक्ति की ओर एक प्रेरणादायक कदम होगा।

कार्यक्रम की विशेषताएं- कुष्ठ रोगियों के साथ सामूहिक योग अभ्यास होगा। साथ ही रोग से मुक्ति में योग की भूमिका विषय पर संवाद भी होगा। दिव्यांग योग, सरल प्राणायाम और ध्यान सत्र (आयुष प्रोटोकॉल अनुसार) आयोजित किया जाएगा।

मानसिक संतुलन की विधियां बताई जाएंगी। सेवा भाव से उपयोगी वस्तुओं का वितरण भी होगा। आयोजन 21 जून 2025 (शनिवार) को सुबह 9:00 बजे कुष्ठ आश्रम, गांधीनगर, भोपाल में होगा।

21 जून को मनाया जायेगा 11वां अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

इंदौर। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 21 जून को 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जायेगा। इस दिन योग पर आधारित अनेक कार्यक्रमों के आयोजन होंगे। साथ ही सामूहिक योग के कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने बताया कि राज्य शासन के निर्देशानुसार इंदौर जिले में अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम हेतु व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम जिले के पंचायत मुख्यालयों तथा पंचायत के अन्य ग्रामों एवं सभी नगरीय निकाय मुख्यालय एवं समस्त वार्डों में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से किया जायेगा। जिले में योग आयोजन कराने वाली समस्त संस्थाओं से अपील की गई है कि अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वे योग के कार्यक्रम आयोजित करें।

इसके लिये https://yoga.ayush.gov.in/yoga-sangam पर अपना पंजीयन अवश्य करें। 21 जून 2025 को योग दिवस कार्यक्रम सुबह 6 बजे से 07:45 बजे तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें मुख्यमंत्री जी के उद्धबोधन एवं प्रधानमंत्री जी के उद्धबोधन का सीधा प्रसारण प्रदेश के समस्त ग्रामों एवं नगरीय निकायों के मुख्यालय एवं वार्डों में कराया जायेगा। जिले के नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता करें।

खतरनाक मल्टियों को निगम ने भेजे नोटिस, बारिश से पहले सुरक्षा की चिंता

इंदौर। शहर की वर्षों पुरानी खतरनाक मल्टियों को लेकर नगर निगम ने सख्ती दिखानी शुरू कर दी है। एसजीएसआईटीएस रोड की दो बिल्डिंगों विमल और विनय को हाल ही में नोटिस जारी किए गए, जिसके बाद रहवासी संघ ने तुरंत सुधार कार्य शुरू करवा दिए हैं। इन बिल्डिंगों के कुछ हिस्से इतने खस्ताहाल हो चुके थे कि आए दिन गैलरी की छतें और दीवारें गिर रही थीं। जनहानि की आशंका को देखते हुए निगम को इनकी स्थिति को लेकर कई शिकायतें प्राप्त हुई थीं।

निगम की चेतावनी के बाद रहवासी संघ सक्रिय- नगर निगम अधिकारी पीएस कुशवाह ने बताया कि बिल्डिंगों की खराब हालत को देखते हुए निगम द्वारा रहवासी संघ को नोटिस थमाए गए हैं और स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि खतरनाक हिस्सों की तुरंत मरम्मत कराई जाए। निगम ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि मरम्मत कार्य समय पर नहीं हुआ तो निगम स्वयं कार्रवाई करेगा। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए रहवासी संघ ने अब सुधार कार्य आरंभ कर दिए हैं और इस संबंध में निगम अधिकारियों से बैठक भी की गई है। निर्माण कार्य के बाद फिर होगा निरीक्षण- रहवासी संघ द्वारा किए जा रहे सुधार कार्यों की प्रगति की निगरानी निगम की टीम करेगी। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद निगम अधिकारी फिर से मौके पर निरीक्षण करेंगे और तभी अंतिम निर्णय लिया जाएगा कि बिल्डिंग को रहवासी उपयोग के लिए सुरक्षित घोषित किया जा सकता है या नहीं। यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बिल्डिंग के कुछ हिस्से अत्यधिक जर्जर हैं और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

अन्य जर्जर मल्टियों की भी जांच में तेजी- नगर निगम अब केवल एसजीएसआईटीएस रोड तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के मध्य क्षेत्र की अन्य वर्षों पुरानी मल्टियों की भी जांच कर रहा है।

3 साल में बनने वाली कोर्ट बिल्डिंग 6 साल में भी नहीं बनी, मंत्री की सख्ती का भी नहीं दिख रहा असर

इंदौर। सरकारी कामों में देर न हो तो वह सरकारी काम कहलाएंगे ही नहीं। कुछ यही बात साबित हो रही है पीपल्याहाना तालाब के पास निर्मित की जा रही जिला कोर्ट की नई बिल्डिंग के काम में। कई बार मंत्री की फटकार लगने के बाद भी इसके काम में कोई सुधार नहीं हो रहा है। बारिश आते ही चारों तरफ मलबा फैल रहा है और तालाब में भी गंदगी जमा हो रही है। लोक निर्माण विभाग न तो समय पर सड़कों-फ्लायओवरों का निर्माण कर पाता है और न ही पीपल्याहाना में बन रही कोर्ट बिल्डिंग का काम पूरा कर पा रहा है। इस प्रोजेक्ट का टेंडर तीन बार निरस्त हुआ है और ठेकेदार फर्म के खिलाफ धोखाधड़ी की एफआईआर के बाद उसे जेल भी भिजवाया गया है। इसके बावजूद भी प्रोजेक्ट में सुधार नजर नहीं आ रहा है। वहीं बार बार नए सिरे से टेंडर जारी करने के चक्कर में लागत तो बढ़ ही रही है और अभी तक बिल्डिंग भी अधूरी ही है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पहली बार इंदौर के प्रसिद्ध राजवाड़ा में होगा सामूहिक योग का कार्यक्रम

इंदौर। ग्यारहवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को इंदौर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थल राजवाड़ा पर सामूहिक योग का कार्यक्रम होगा। पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से यह आयोजन पहली बार ऐतिहासिक इमारत राजवाड़ा पर किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया होंगे। इस आयोजन की व्यापक तैयारियां जारी है। इस संबंध में आज जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायकद्वय श्री मधु वर्मा और श्री गोलू शुक्ला, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन सहित अन्य संबंधित अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर पहुँचकर तैयारियों का जायजा लिया। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की बिन्दुवार समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि सभी तैयारियां निर्धारित समय से पहले पूरी हो जायें। बताया गया कि यह कार्यक्रम 21 जून को ठीक सुबह 6 बजे से प्रारंभ होगा। प्रात: 6:30 बजे से 6:40 तक भोपाल से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के उद्बोधन का सीधा प्रसारण किया जायेगा। प्रात: 6:40 बजे से 7:00 तक विशाखापट्टनम से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण होगा। प्रात: 7 बजे से 7:45 तक सामान्य योग प्रोटोकाल का योगाभ्यास किया जायेगा। इस कार्यक्रम में विद्यार्थी, युवा, नागरिक आदि सामूहिक योग करेंगे। बताया गया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के अलावा नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, सांसद श्री शंकर लालवानी, विधायकगण आदि भी मौजूद रहेंगे।

कोई भी सरकार पंजाब में नशाखोरी नहीं रोक पाई

इंदौर। अमृतसर से लोकसभा सांसद गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि कोई भी सरकार पंजाब में नशे के कारोबार को नहीं रोक पाई हैं। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार से पंजाबवासियों को इस मामले में बड़ी उम्मीद थी लेकिन मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने भी निराश किया। स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के रूबरू कार्यक्रम में कांग्रेस सासंद गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान विभाजन के बाद से ही भारत के सीमावर्ती राज्यों में अलग-अलग तरीकों से देश की जड़ें कमजोर करने में लगा हुआ है। सत्तर और अस्सी के दशक में उन्होंने आतंकवाद और उसके बाद नशे के माध्यम से पीढ़ियों को बर्बाद करने का दुष्चक्र चला रखा है।

सासंद श्री औजला ने बताया कि उनके संसदीय क्षेत्र अमृतसर की सीमायें पाकिस्तान बॉर्डर से लगी हुई हैं इसलिए वहां से नशे की सप्लाई आसानी से हो जाती है। इस मामले में उन्होंने बीते तीन वर्षों में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को पांच पत्र लिखे लेकिन अफ़सोस रहा मुख्यमंत्री ने कार्यवाही तो दूर उनसे चर्चा तक करना उचित नहीं समझा। श्री औजला ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री और पुलिस महानिदेशक की ढिलाई की वजह से पंजाब में नशे के कारोबार पर रोक नहीं लग पा रही है। इस कारोबार में शामिल बड़े धन ने चुनाव पूर्व किए वादे भुला दिए। उन्होंने कहा कि नशे के कारोबार को रोकने और पंजाब की बेहतर छवि बनाने के लिए प्रशासनिक और पुलिस विभाग को प्रण-प्राण से जुटना होगा। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि शिरोमणि अकाली दल और कांग्रेस के शासनकाल में भी इस मामले में सख्त कार्यवाही नहीं हो सकी। कतिपय संगठनों द्वारा एक बार फिर खालिस्तान की मांग उठाए जाने संबंधी प्रश्न पर उन्होंने कहा कि ऐसे लोग आईएसआई और पाकिस्तान के पेरोल पर हैं। पंजाब की आम जनता इस मांग से कोई सरोकार नहीं रखती है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं अमृतसर से तीन बार के सांसद गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि देश में तानाशाही का दौर चल रहा है और मोदी सरकार द्वारा विपक्ष की आवाज को दबाया जा रहा है। गंभीर मामलों को उजागर करने वालों की बात का जवाब देने की बजाए उन्हें जेल पहुंचाया जा रहा है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सिंहस्थ को दृष्टिगत रखते हुए कोयला फाटक चौराहा से मनकामेश्वर महादेव मंदिर तक कार्य प्रारंभ हुआ

इंद्रप्रस्थ टावर तक भवनों को तोडे जाने का कार्य 90 प्रतिशत तक पूर्ण किया

उज्जैन। सिंहस्थ महापर्व 2028 को दृष्टिगत रखते हुए शहर के प्रमुख आंतरिक मार्गों का चौड़ीकरण कार्य प्रारंभ किया गया है जिसके क्रम में कोयला फाटक चौराहा से इंद्रप्रस्थ टावर तक भवनों को तोडे जाने का कार्य 90 प्रतिशत तक पूर्ण कर लिया गया है साथ ही कोयला फाटक चौराहा से मनकामेश्वर महादेव मंदिर तक 150 मीटर तक खुदाई करते हुए (प्लेन सीमेंट कांक्रीट) नाली निर्माण का कार्य भी प्रारंभ कर लिया गया है।

भवन अधिकारी राकेश वास्कले द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि मार्ग चौड़ीकरण अंतर्गत नगर निगम द्वारा कोयला फटक चौराहा से इंद्रप्रस्थ टावर तक 110 भवन स्वामियों को नोटिस जारी किए गए थे जिसके क्रम में 102 भवन स्वामी द्वारा निगम द्वारा मार्किंग किए गए भाग को स्वयं द्वारा हटाने की कार्रवाई पूर्ण की गई जिससे क्षेत्र में 90 प्रतिशत तक कार्य पूर्ण हो गया है, ठेकेदार द्वारा 150 मीटर तक बेस वर्क पूर्ण कर लिया गया है जिसमें नाली निर्माण हेतु सरीए का जाल बिछाने का कार्य भी प्रचलित है शीघ्र ही यहां नाली निर्माण का कार्य भी पूर्ण होगा जिससे रहवासियों को भी समस्या नहीं होगी।

जिन भवन स्वामी द्वारा स्वयं द्वारा मार्किंग किए भाग को तोड़ा गया संबंधित कार्य के ठेकेदार द्वारा उसी दिन संपूर्ण मलवा हटाने की कार्यवाही भी अपने संसाधनों के साथ पूर्ण की गई ताकि रह वासियों को किसी प्रकार की समस्या ना हो साथ ही निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक के निर्देश के क्रम में नगर निगम की टीम ठेकेदार द्वारा किए जा रहे कार्यों की स्थल पर ही मॉनिटरिंग कर रही है जिसमें सहायक यंत्री श्री डीएस परिहार, उपयंत्री श्री राजेंद्र रावत द्वारा स्थल पर उपस्थित रहकर कार्य करवाया जा रहा है।

कांग्रेस का हर कार्यकर्ता भाजपा नेताओं के काले चिट्ठे बता रहा- नदीम जावेद

उज्जैन। संगठन सृजन अभियान से कांग्रेस का हर कार्यकर्ता जुड़ रहा है, यही नहीं कांग्रेस का हर कार्यकर्ता भाजपा नेताओं के काले चिट्ठे बता रहा है। जिससे हर दिन भाजपा का चाल, चरित्र, चेहरा भी उजागर हो रहा है।

यह बात अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक जिला कांग्रेस उज्जैन के प्रभारी नदीम जावेद ने संगठन सृजन अभियान के तहत जिले के दौरे के दौरान कही। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमल पटेल ने बताया कि नदीम जावेद ने इंगोरिया ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, बड़नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, भाटपचलाना ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं दक्षिण विधानसभा ग्रामीण ब्लॉक का दौरा किया गया। इस दौरान हजारों कार्यकर्ताओं द्वारा संगठन के संदर्भ में अनेक सुझाव दिए गए और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं द्वारा किए जा रहे कृत्यों को भी पर्यवेक्षक को बताया गया। जिससे भारतीय जनता पार्टी का चाल, चरित्र, चेहरा उजागर हो रहा है। नदीम जावेद ने कहा कि संगठन अभियान में हर बूथ के कार्यकर्ता ने उनसे मुलाकात की है। वरिष्ठ नेताओं से लेकर के कनिष्ठ नेताओं ने उनसे चर्चा की है। संगठन को मजबूत बनाने के कई प्रकार के सुझाव दिए इसके साथ ही परंपरागत कांग्रेस के साथी भी संगठन के प्रति अपनी चिंता जाहिर कर रहे हैं। इस दौरान पूर्व विधायक मुरली मोरवाल, कमल पटेल जिला कांग्रेस अध्यक्ष, अजीत सिंह ठाकुर पूर्व प्रशासक सहकारी संस्थाएं, रणछोड त्रिवेदी, वीर सिंह राणा, हेमंत सिंह चौहान, हेमंत उपाध्याय, गजेंद्र यादव उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन दिनांक 23 जून सोमवार को कलेक्टर उज्जैन को पेंशनर्स सौंपेंगे

उज्जैन। अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय आव्हान पर प्रमुख पेंशनर्स ऐसोसिएशन जिला उज्जैन एवं पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा उज्जैन के अगुवाई में दिनांक 23 जून 2025 सोमवार को दोपहर 1 बजे प्रशासनिक संकुल, कोठी, उज्जैन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन कलेक्टर उज्जैन के सौंपेंगे।

ज्ञापन में मार्च 2025 में केंद्र सरकार द्वारा पेंशनर्स के हितों पर कुठाराघात करने वाले केन्द्र सरकार द्वारा संसद से माह मार्च 2025 में पारित कराए गए वित्त विधेयक का विरोध किया गया। इस काले कानून का पुरे देश में पेंशनर्स द्वारा तीव्र विरोध करते हुए काले कानून को वापस लेने की मांग की गई है। पारित कराए गए वित्त विधेयक से पेंशनर्स में विभेद किया गया है।

शिप्रा नदी में नन्हें बच्चों ने किया मटकी पर जल योग

उज्जैन। 21 जून अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मां शिप्रा तैराक दल के नन्हे-नन्हे तैराकों द्वारा रामघाट पर शिप्रा नदी में मटकी पर जलयोग कर अंतराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

शहर में रामघाट पर शिप्रा नदी में तैराकी सीख रहे बच्चों ने शिप्रा की लहरों पर बैलेंस बनाकर जल योग की अनोखी प्रस्तुतियां दीं। संस्था के सचिव व कोच संतोष सोलंकी व महिला प्रशिक्षक सपना माली ने बताया की योग दिवस पर जलयोग पिछले कई सालों से करते आ रहे है। हर साल कुछ नया करने का उद्देश्य तैराक दल का रहता है। संस्था द्वारा इस वर्ष नन्हे-नन्हे तैराकों द्वारा जल में मटकी पर योग, योग पिरमिंट, योग, अनुलोम-विलोम व शिप्रा नदी में कई आकृतियां बनाई। इस अवसर पर मन्नू कहार, चंदन विंग, मुकेश राव बागले, आदि मौजूद रहे।

योगिनी सम्मान कार्यक्रम 2025 – विश्व योग दिवस की पूर्व संध्या पर एक विशेष आयोजन

उज्जैन। विश्व योग दिवस पर पूरे देश में अनेक आयोजन हो रहे हैं, लेकिन उज्जैन में इस अवसर पर अपने तरह का एक विशेष और ऐतिहासिक आयोजन किया गया। भारतीय सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सिंदूर में मातृशक्ति की भूमिका से प्रेरणा लेकर तथा लोकमाता देवी अहिल्या होलकर की त्रिशताब्दी जयंती के उपलक्ष्य में, उज्जैन में 'योगिनी सम्मान कार्यक्रम 2025' का भव्य आयोजन संपन्न हुआ।

इस आयोजन का उद्देश्य योग क्षेत्र में कार्यरत मातृशक्ति को सम्मानित करना और उनके योगदान को समाज के समक्ष लाना था। कार्यक्रम का आयोजन उज्जैन योग संघ एवं रेडियो दस्तक 90.8 स्नरू के संयुक्त तत्त्वावधान में हुआ।

मुख्य अतिथि एवं विशिष्टजन की उपस्थिति इस गरिमामय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की बहन एवं उज्जैन नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती यादव उपस्थित रहीं। साथ ही उज्जैन उत्तर विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा, भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रमिला यादव, नगर भाजपा योग प्रभारी आनंद सिंह खिंची, रेडियो दस्तक की सीईओ अमृता कुलश्रेष्ठ, धाकड़ टूरिज्म के चेयरमैन डॉ. अजय धाकड़, कार्यकारी अध्यक्ष जसविंदर कौर,रजनी नरवरिया एवं डॉ. बिंदु सिंह पंवार ,राष्ट्रीय कराटे कोच दुर्गेश जैसे विशिष्टजन मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का संचालन एवं संगोष्ठी में मुख्य वक्ता की भूमिका उज्जैन योग संघ के संस्थापक सचिव एवं योग गुरु डॉ. मिलिन्द्र त्रिपाठी ने निभाई।

सम्मान एवं प्रस्तुतियां समारोह में 30 योगिनी अवॉर्ड एवं 10 नारी सशक्तिकरण अवॉर्ड प्रदान कर उज्जैन संभाग की योग साधिकाओं व मातृशक्ति का सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में योग, पारंपरिक लाठी चलन एवं कराटे की प्रभावशाली प्रस्तुतियां मातृशक्ति द्वारा दी गईं, जिनसे प्रभावित होकर विधायक अनिल जैन कालूहेड़ा ने प्रत्येक प्रतिभागी बेटी को ?2000 का पुरस्कार देने की घोषणा की।

साथ ही 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' थीम पर विशेष योग संगोष्ठी भी आयोजित की गई।

लाडी लुहाडा सिंधी महिला पंचायत की बैठक में लिए कई सख्त निर्णय

उज्जैन। लाडी लुहाडा सिंधी महिला पंचायत की एक वृहद बैठक सिंधी धर्मशाला गीता कॉलोनी में अध्यक्ष जमुना चेतनानी, उपाध्यक्ष गंगा मंगवानी के नेतृत्व में महिला मंडल की अध्यक्ष सोनिया नाथनी, महासचिव वर्षा आडवाणी की उपस्थिति में संपन्न हुई।

अध्यक्षता मंडल के संस्थापक मोहन वासवानी ने की। बैठक में पंचायत द्वारा उक्त निर्णय पंचायत की समस्त महिलाओं के समक्ष सर्वानुमति से लिए गए। संस्थापक दीपक राजवानी ने बताया कि संचालन राधिका दादवानी ने करते हुए निर्णय को विस्तार पूर्वक पढ़ा। पंचायत में किसी भी परिवार में मृत्यु होती है तो उस दिन एवं उठावने वाले दिन पंचायत की महिलाओं का भोजन प्रतिबंधित है एवं दसवें एवं बारवे के दिन भी भोजन पंचायत की महिलाओं का प्रतिबंध है, एवं 12वें पर लड्डू प्रसाद एवं डिब्बे भी पूरी तरह से प्रतिबंधित है। उठावने, दसवें एवं बारहवे पर पंचायत की समस्त महिलाओं को आना अनिवार्य है। तेल मेट पर सवेरे 11 बजे एवं बारहवे पर दोपहर 3 बजे सभी महिलाओं को आना है। बड़े परिवारों में से जिसके घर में तीन-चार परिवार एक साथ रहते हैं उनमें से एक को आना जरूरी है नहीं आने पर प्रथम एवं दूसरी बार 50 रूपये का धर्मदा एवं तिसरी चौथी बार सो रुपए का एवं पांचवीं बार 200 रूपये का उसके बाद भी कोई नहीं आता है तो महिला पंचायत कठोर निर्णय लेगी। अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष ने सुविधा के लिए अपने प्रतिनिधि के रूप में उज्जैन उत्तर शहर के लिए मोहिनी तोलानी एवं वर्षा आडवाणी एवं दक्षिण के लिए राधिका पुरुसवाणी, राधिका दादावानी एवं लक्ष्मी वासवानी को नियुक्त किया है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com